

जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ

उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ

सहभागी सिंचाई प्रबन्धन में बुंदेलखण्ड की प्रशंसनीय पहल

687 कुलाबा, 51 अल्पिका जल उपभोक्ता समितियों का हुआ गठन

सुरेश चन्द्रा, प्रमुख सचिव,
सिंचाई एवं अध्यक्ष, पैक्ट

लखनऊ 08नवम्बर, 2016 सहभागी सिंचाई प्रबन्धन (पिम) के सफल संचालन की दिशामें बुंदेलखण्ड ने प्रशंसनीय पहल की है। यह जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव, सिंचाई एवं अध्यक्ष, पैक्ट श्री सुरेश चन्द्रा ने बताया कि उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट के तत्वाधान में संचालित सहभागी सिंचाई प्रबन्धन कार्यक्रम का बुंदेलखण्ड के जनपद ललितपुर में सराहनीय क्रियान्वयन किया जा रहा है। आपने बताया कि सहभागी सिंचाई प्रबन्धन के सघन प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता अभियान के अन्तर्गत पैक्ट द्वारा राज्य ग्राम्य विकास संस्थान (एस0आई0आर0डी0) के सहयोग से क्षेत्र में सचल प्रदर्शनीय एवं आकर्षक होर्डिंग्स की स्थापना की गई। जिससे जनता में इस कार्यक्रम के प्रति व्यापक जागरूकता उत्पन्न हुई है।

इसी क्रम में आपने यह भी बताया कि ललितपुर की रोहनी, सजनम एवं जामनी नहर प्रणाली के अन्तर्गत 887 कुलाबा तथा 51 अल्पिका जल उपभोक्ता समितियों का गठन किया गया है तथा 05 रजवहा जल उपभोक्ता समितियों का गठन निर्वाचन प्रक्रिया के अन्तर्गत

किया जा रहा है। अध्यक्ष, पैक्ट के अनुसार निर्वाचन अधिकारी (मुख्य अभियन्ता, बेतवा) श्री पी०के० गुप्ता की देख-रेख में निर्वाचनकी कार्यवाही संचालित की जा रही है। तदानुसार रजवहा समितियों का मतदान 05 नवम्बर, 2016 को होगा एवं मतगणना व परिणाम की घोषणा 16 नवम्बर, 2016 को की जायेगी।

श्री चन्द्रा के अनुसार निर्वाचित जल उपभोक्ता समितियों को क्षमता सम्वर्द्धन प्रशिक्षण राज्य ग्राम्य विकास संस्थान (एस०आई०आर०डी०) द्वारा दिसम्बर, 2016 में दिया जायेगा। जिससे की यह समितियाँ अपने दायित्वों के निर्वहन में खरी साबित हो सके।

श्री चन्द्रा ने यह भी बताया कि यू०पी०डब्ल्यू०एस०आर०पी० के प्रथम चरण के 6 जनपदों (प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अमेठी, जौनपुर, रायबरेली तथा बाराबंकी) ने 8830 जल उपभोक्ता समितियाँ अपना कार्य कुशलतापूर्वक कर रहीं हैं। अध्यक्ष, पैक्ट के अनुसारतकनीकी सलाहकार पैक्ट श्री के०के० जैनके मार्गदर्शन में इस महत्वाकांक्षी योजना की गहन समीक्षा की जा रही है, ताकि इस परियोजना के अन्यजनपदों में जल उपभोक्ता के गठन की कार्यवाही समयसीमा के अन्तर्गत पूर्ण की जा सके और जनसहभागीता के आधार सिंचाई प्रबन्धन का कार्य कुशलतापूर्वक किया जा सके जिससे की किसानों के जीवन में खुशहाली लाई जा सके।